राजस्थान पत्रिका - जुलाई 02

पापा का दिल चंगा किया

मुम्बई। पिता ऑपरेशन टेबल पर लेटे थे। उनके दिल का मामला था। ऑपरेशन करने वाला डॉक्टर उनका बेटा ही था। लेकिन सब कुछ वैसा ही हुआ जो किसी भी आम मरीज़ के साथ होता है। अपने पिता की बाइपास सर्जरी करते हुए डॉ. अरुण मेहरा ने उनका चेहरा नहीं देखा।

बान्द्रा के लीलावती हॉस्पिटल में हाल ही डॉ. मेहरा ने अपने डॉक्टर पिता की बाइपास सर्जरी की। अवरुद्ध पड़ी चार धमनियों से ब्लॉकिज हटाया गया। डॉ. अरुण के मुताबिक उनके लिए यह आम ऑपरेशन की तरह ही था। ओ.टी. में उन्होंने जब प्रवेश किया तब तक पापा को टेबल पर लिटाया जा चुका था। चेहरा ढका हुआ था। उन्होंने भगवान से प्रार्थना करने के बाद ऑपरेशन शुरू किया। चार घंटे में बाइपास हो गई। डॉ. अरुण के पिता पी.सी. मेहरा (78) मेडिसिन के प्रोफेसर रह चुके हैं। उन्होंने ही अपने बेटे को शरीर-रचना विज्ञान पढ़ाया था। उस समय शायद उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि एक दिन अरुण को ही उनका दिल चंगा करना पड़ेगा। (एजेंसियां)